कागो मादो

अरुणाचल प्रदेश

'माधुर्य निज हिन्दी'

भारत देश की नींव ही हैं 'अनेकता में एकता'
यहाँ की रंग-बि-रंगी
संस्कृति, परंपराएं, तीज़ व त्योहार ।
इनके गुणवत्ता और सुन्दरता की
मिठासपन का बखानते
भाषा हमारी हिन्दी ।
देश हमारा प्यारा है ,
हिंदी हमारा न्यारा है ।
अतुल्यनीय देश भारत
विश्वभर में हैं प्रसिद्ध -
भारत भूमि जो रंगों का है देश
जहाँ जन-गण-मन की भाषा है हिन्दी
वहाँ लाज़िमी है भाव जो होते मुखरित
पूर्व-पश्चिम उत्तर-दक्षिण...
प्रियजन की भाषा हिन्दी,
प्रियदर्शी की शोभा हिन्दी।
देश के आकांक्षी दूरदर्शी महत्वाकांक्षी सज्जन
सन्तों, समाज सुधारक व
शिक्षाविदों,
राजनेता अभिनेता व कार्यकर्त्ता ।
सैनिक किसान व मजदूर.. !
सब जन की होती अभिव्यक्ति
तन-मन-धन भर उठी प्रफुल्लित से
हमजोली सबकी माधुर्य निज हिन्दी से।